

20

गो गुणीक गांगुली
उप गांगुली
उत्तर गांगुली

४८

१८५४ भाष्यमिक निर्दि वारित
१८५५ २ त्रिमास निर्दि
१८५६ निर्दि, ३० तिथि।

पृष्ठा १७१ अन्तिम

Digitized by srujanika@gmail.com

विषय-४- इथा पालिङ्ग राजा श्रीदीनगर नामितापाद हो गौठपीः प्रतिपूर्वक नई दिनी
हो तमस्ता हेतु उपायति इमान् पर दिवे बाने हो मन्त्रम् ।

四百三

उपर्युक्त विषयक पह छुके पह रखने का मिलेगा हांडा है कि शाया दरमिन
तद्धृ, श्रीटीनमृ, भास्त्रियावाह को तीर्थवीर्यसंकल्प के बहु विभिन्न से सम्बन्धित प्रदान कि-
वाने । इस राज्य हरकार को निम्नलिखित उत्तिवचनों के अधीन आम रूप नहीं है :-

For CHHAYA PUBLIC SCHOOL

Brent
Manager

Blandupl

७- राज्य सरकार द्वारा तमस तमस हरे औ भी आदेश निर्णय
करे जाएगी, तभी उनका बालब छैसी ।

८- पिंडास्य वा रिकाई निपटित गुरु/दीक्षितों में रक्त जायेगा

९- उत्तम ग्रामों में राज्य सरकार के पुस्तकोद्धार के लिए कोई
प्रतिवर्ती/संतोषजनक या सहिष्णु नहीं दिया जायेगा ।

२- उत्तम प्रतिक्रियाएँ वा उत्तम इकाई तमस के लिए उनियार्द्दि होगा और
वहि किंतु तमस यह पापा जाता है कि तीखा इकाई उत्तम प्रतिक्रियाएँ वा
बालब नहीं दिया जा रहा है उत्तम बालब करने में किंतु प्रश्नार की यूक ग्रा
मिकाया घरती जा रही है तो राज्य सरकार द्वारा प्रदर्शन उत्तम उत्तम
उत्तम बालब ने दिया जाएगा ।

भवदीय,

अमौर शर्मा।
उप सचिव।

पुस्तक ३७१७।।।/१५-७-१९९३ दृष्टिसौख्य

प्रतिक्रिया निष्पत्ति को तुलनार्थ से अधिकारी के

प्रेक्षण है :-

१- यह निष्पत्ति अत्यन्त प्रदूषक है ।

२- कठतीय उप प्रिया निष्पत्ति में है ।

३- किंतु पिंडास्य निष्पत्ति नाचियाकाद ।

४- निरीधर, गांगा भारतीय पिंडास्य उत्तर प्रदूषक तरह है ।

प्रदूषक, उत्तर प्रिया तुलना मोटी बहर, नाचियाकाद ।

अतः है,

S. S. D. G. S.
Principal
CHHAYA PUBLIC SCHOOL
MODINAGAR

D. K. S.
अमौर शर्मा।
उप सचिव।